आदर्श प्रश्न पत्र
(Model Question Paper)

कक्षाः वाहरवीं **अंकः 100**
समयः होरात्रयम् (तीन घण्टे) **विषयः संस्कृत**

नोटः सभी भागों में से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

भाग–क (अपठित गद्यांश)

1) वेद का शब्दिक अर्थ है– ज्ञान। वेद में ऐसे मन्त्रों का संग्रह है जिनमें ज्ञान का अनन्त भण्डार है। परम्परा अनुसार बह्मा के चार मुखों से चार वेदों का उद्भव हुआ जिनका ज्ञान ऋषि परम्परा से सुनकर आगे को बढ़ता गया। इसलिए वेदों को श्रुति भी कहते हैं। वेद मन्त्रों की कर्मकाण्ड परक् व्याख्या जिन ग्रन्थों में की गई उन्हें ब्राह्मण ग्रन्थ कहते हैं। अरण्य में रचित ग्रन्थों को अरण्यक कहते है। वैदिक साहित्य का अन्तिम भाग उपनिषद् कहलाता हे। उपनिषद् का मुख्य अर्थ अध्यात्म विद्या है। जिनके अध्ययन करने से मानव ब्रह्म का ज्ञान प्राप्त करता है।

उपरोक्त गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (2x5=10)

1) वेद किसे कहते हैं चार वेदों के नाम लिखिए।
2) किस के मुखों से वेदों का उदभव हुआ है।
3) कर्मकाण्ड परक ग्रन्थों को क्या कहते हैं।
4) वैदिक साहित्य के अन्तिम भाग का नाम लिखिए।
5) जनमानस तक वेदों का प्रचार–प्रसार किस परम्परा ने किया।

भाग–ख (रचनात्मक कार्यम्)

प्र02 निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें (कोई पाँच)– (1x5=5)

1) बालक घर जाता है।
2) राधा शीतल जल है।
3) हम सब फल खाते हैं।
4) सूर्य पूर्व से उदय होता है।
5) छात्र अपना पाठ स्मरण करते हैं।
6) वायु बहती है।
7) घोड़ा दौड़ता है।

Scanned with CamScanner

प्र03 निम्नलिखित पंक्तियों का हिन्दी अनुवाद कीजिए– (5)

अस्माकं देशे विविधाः जातयः, सम्प्रदायाः, धर्माः, भावाश्च सन्ति किन्तु सर्वे एकतासूत्रग्रन्थिताः। जातिसम्प्रदाय–धर्म–भाषा–भेदभावं–विस्मृत्य स्वदेशस्य अनुशासनं पालयन्ति, सर्व दैव च स्वदेशस्य रक्षायै सन्नद्धाः दृश्यन्ते। इत्थं अस्माकं देशः सर्वविधः शोभनः।

प्र04 संस्कृत साहित्य के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। (5)

अथवा

रामायण तथा महाभारत के तुलनात्मक अध्ययन पर प्रकाश डालिए।

भाग–ग (अनुप्रयुक्त व्याकरणम्)

प्र05 निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशनुसार उत्तर दें– (20)

1) सन्धि करें (कोई दो)– नम + कार, मनः + हर, हरि + शेते (2)

2) सन्धि विच्छेद करें (कोई दो)– सज्जनः, जगन्नाथः, वागीशः (2)

3) राजन्, अथवा चन्द्रमस् शब्द की रूपावली लिखें। (3)

4) अस्मद् अथवा तद् (पु.) शब्द की रूपावली लिखें। (3)

5) 'नश्' धातु लोट लकार अथवा 'नृत' धातु लृट लकार में लिखिए। (2)

6) 'कथ्' धातु लट लकार अथवा 'भक्ष्' धातु लङ लकार में लिखिए। (2)

7) किन्ही तीन के कृदन्त रूप लिखिए। (3)

   क) पठ्–क्त्वा
   ख) नम्–तुमुन
   ग) स्म्–ल्यप
   घ) भू–तव्यत्
   ङ) पठ–क्त्वा

8) समास का नाम लिखिए (कोई एक)– प्रत्येकम्, सुन्दरमुखः (1)

9) विग्रह कीजिए (कोई एक)– पीताम्बरः, निर्मक्षिकम् (1)

10) सोदाहरण अव्यय की परिभाषा लिखिए। (1)

प्र06 रिक्त स्थानों की पूर्ति करे– (5)

1) प्रतिमानाटक के रचयिता ———— हैं।

2) आदिकाव्य रामायण के रचयिता ———— हैं।

3) लिखितुम् में ———— प्रत्यय है।

Scanned with CamScanner

4) दशरथ की ———————— रानियां थी।

5) प्रतिमानाटक में ———————— पुरूष पात्र हैं।

भाग–घ (पठित अववोधन)

प्र07 निम्नलिखित श्लोकों/गद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– (5x3=15)

1) इदानीं भूमिपालेन कृतकत्याः कृताः प्रजा
रामाभिधानं मेदिन्यां शशांक्मभिषिञ्चता।

अथवा

समं वाष्येण पतता तस्योपरि ममाप्यधः।
पितुर्मे क्लेदितौ पादौ ममपि क्लेदितं शिरः।।

2) यस्याः शक्रसमो भर्ता मया पुत्रवती च या।
फले कस्मिन् स्पृहा तस्या येनाकार्यं करिष्यति।।

अथवा

रामेणापि परित्यक्तो लक्ष्मणेन् च गर्हितः।
अयशोभाजनं लोके परित्यक्तस्त्वयाप्यहम्।।

3) सर्वथा नामयबान्धवस्य स्वरसंयोगः। क्लेदयतीव में हृदयम्।
वत्स लक्ष्मण। दृश्यतां तावत्

अथवा

अत्र रामश्च सीता च लक्ष्मणश्च महायशाः।
सत्य शीलं च भक्तिश्च येषु विग्रहवत् स्थिताः।।

प्र08 निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी अनुवाद करें (कोई तीन)– (4x3=12)

1) कश्चितकान्ताविरह गुरूणा स्वाधिकारात्प्रमत्तः
शापेनास्तङ्गमितमहिमा वर्ष भोग्येण भर्तुः।

यक्षश्चक्रे जनकतनयास्नानपुण्योदकेषु
स्निग्धच्छायातरूषु वसतिं रामगिर्याश्रमेषु।

2) मन्दं–मन्दं–नुदति पवनश्चानुकूलो यथा त्वां
वामश्चायं नदति मधुरं चातकस्ते सगन्धः।
गर्भाधानक्षणपरिचयान्नूनमाबद्ध मालाः
सेविष्यन्ते नयनसुभगं खे भवन्तं बलाकाः।।

Scanned with CamScanner

3) तस्यास्तिक्तैर्वनगजमदैवासितं वान्तवृष्टि
जम्बुकुञ्जप्रतिहतरयं तोयमादाय गच्छेः।
अन्तः सारं घन तुलयितुं नानिलः शक्ष्यतित्वां
रिक्तः सर्वो भवति हि लघु पूर्णता गौरवाय।।

4) प्रद्योतस्य प्रीयदुहितर वत्सराजो जह्रे
हैमं तालद्रुमवनमभूदन्न तस्यैव राज्ञः।
अत्रोदभ्रान्तः किल नलगिरिः स्तम्भुतपाट्य दर्पा
दित्यागन्तून रमयति जनो यत्र बन्धूनभिज्ञः।।

प्र09 'मेघदूत' में वर्णित वर्षा ऋतु का वर्णन कीजिए। (5)

अथवा

'मेघ' के गन्तव्य मार्ग का वर्णन कीजिए।

प्र010 प्रतिमानाटक के आधार पर किसी एक पात्र का चरित्र चित्रण लिखिए– (5)

1) राम 2) रावण 3) सीता

भाग–घ–2 (साहित्यिक अववोधनम्)

प्र011 नाटककार 'अश्वघोष' अथवा 'शूद्रक' का जीवन परिचय लिखकर उनकी एक प्रसिद्ध रचना का उल्लेख कीजिए। (5)

प्र012 गद्यकार 'सुबन्धु' अथवा 'वाणभट्ट' का जीवन परिचय लिखिए। (5)

प्र013 महाभारत युद्ध में अर्जुन को गीता का सन्देश किस ने दिया। (1)

प्र014 मेघदूत काव्य कितने भागों में विभक्त है। (1)

प्र015 महाभारत के रचनाकार कौन हैं। (1)

Scanned with CamScanner